खुशबु के बिना चन्दन सुना

खुशबु के बिना चन्दन सुना,
उपवन सुना ये बहार बिना,
मैं सुनी सांवरियां तेरे प्यार बिना,

प्रेम दीवानी बनी सँवारे लोक लाज बिसराई,
अनजानी बेगानी कह कर जग ने हसी उड़ाई,
तुम क्या जानो बिरहन की गति क्या होती है दिलदार बिना,
मैं सुनी सांवरियां तेरे प्यार बिना,

तन मन सुना मधुवन सुना नन्द गऊ बरसना,
बेदर्दी से प्रीत लगा के पड़ा बहुत पश्ताना,
माजी के बिना नैया सुनी गंगा सुनी हरिद्वार बिना,
मैं सुनी सांवरियां तेरे प्यार बिना...

चूड़े बिना चलाई सुनी चंदा बिना चकोरी,
ऐसे ही तेरे बिन सुनी ये बिशवान किशोरी,
माँ बाप बिना बचपन सुना,
नारी सुनी श्रृंगार बिना,
मैं सुनी सांवरियां तेरे प्यार बिना,

ऐसे मिष्ठूर बने कन्हैया सौतन के भर माये,
तीन दीना के वादा कर के लौट न वापिस आये,
श्रद्धा के बिन भक्ति सुनी ब्रिज वास किशन दातार बिना,
मैं सुनी सांवरियां तेरे प्यार बिना,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5215/title/khushbhu-ke-bina-chandan-suna-upvan-suna-ye-bahaar-bina-main-suni-sanwariya-tere-pyar-bina

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |